

(1) पौराधिकारं ददाति (दा, c. 3.) (?); (2) पौरत्वं लभ्यति (c. of लम्) (?). *E.d* : दत्तपौराधिकारः (रा, रं) (?).

ENFRANCHISEMENT : I. Release : q.v. : मोक्षः.

II. Admission to the freedom of a corporation : पौराधिकारदानम् (?); पौरत्वप्रतिपादनम् (?).

ENGAGE (v.t.) : I. To bind, pledge : q.v. : बध्नाति (बन्ध्, c. 7.). II. To enlist : perh. माटयति (=to hire); उत्थापयति (c. of स्था) (=raise). III. To attract : q.v. : आकर्षति (कृष्, c. 1.). IV. To occupy, employ : q.v. : व्यापारयति (c. of पृ). *To be e.d* : व्यापियते (पृ, c. 6.). *E. d* : व्यापृतः (ता, तं); सव्यापारः (रा, रं), *in the daytime while e.* : सव्यापारमहनि, Me. V. To encounter : q.v. : अभ्येति (इ, c. 2.).

ENGAGE (v.i.) : I. To promise, undertake : q.v. : प्रतिश्रुणोति (श्रु, c. 8.). Ph. : *she is e.d to me* : मद्यं प्रतिश्रुता सा. II. To enter in : *when the ascetic e.d in fighting* : मुनौ रणमुपेयुषि, Ki. ; *e.d in meditation* ; ध्याननिविष्टः (ष्टा, ष्टं) ; *while they were e.d in the controversy* : प्रवृत्ते च तयोर्वादिः. v. To Begin, enter.

ENGAGEMENT : I. A battle : q.v. : युद्धम्. II. A promise to visit : Ph. : *I have an e. today at his* : *अद्य तद्गृहगमनं मया प्रतिश्रुतम् ; *I could not keep my e.* : *नाहं प्रतिश्रुतं रक्षितुमशक्नोम. III. Betrothal : प्रतिश्रुतसम्बन्धः. IV. Business : q.v. : (1) व्यापारः ; (2) कार्यम् ; (3) कृत्यम्. V. Pledge : q.v. VI. An obligation : q.v. VII. The act of engaging : v. To engage.

ENGAGING : (1) हृदयहारिन् (f. णी) : v. Charming ; (2) रम्यः (म्या, म्यं) : v. Pleasant, delightful.

ENGAGINGLY : expr. by adj. or verb : v. To charm.

ENGENDER : जनयति : v. To beget, produce.

ENGINE : यन्त्रम्, *military e.* : युद्धयन्त्रम् ; *e. -driver* *यन्त्रवाहकः.

ENGINEER : वास्तुविद्याविशारदः (?) : v. E. ing.

ENGINEERING : वास्तुविद्या (?) : *Civil e.* : पथ-प्रणाल्यादिनिर्माणविद्या (?). *Military e.* : वप्रपरिखादि-निर्माणविद्या (?). *Mechanical e.* : यन्त्रविद्या (?).

ENGLISH : इंग्लण्डियः (या, यं) ; इरेजः (जा, जं), *knows e.* : *इरेजी जानाति.

ENGLISHMAN : *इंग्लण्डदेशीयः, इरेजः.

ENGRAFT : v. To ingraft, graft.

ENGRAINED : v. Ingrained.

ENGRAVE : (1) मुद्रयति (मुद्र्, c. 10.), *with my name e.d on it* : मन्नामाक्षरमुद्रितः (ता, तं), A. r. ; (2) उत्किरति (कृ, c. 6.), *with name e.d. on the bezel* : मणिबन्धनोत्कीर्णनामधेयः (या, यं), Sa.

ENGRAVER : नामादिमुद्राकारिन् (f. णी) (?).

ENGRAVING : I. The art : नामादिमुद्राकर्मन् (n.) or -कला (?). II. A print : expr. by मुद्रितः (ता, तं) ; उत्कीर्ण (f. णी).

ENGROSS : I. To thicken : q.v. II. To copy in a large fair hand : स्पष्टाक्षरैः लिखति (लिख्, c. 6.) (?). III. To absorb : q.v. : Ph. : *it e. es my mind* : अत्रासक्तं मे मनः. IV. To buy up : परिक्रीणीते (क्री, c. 9.). V. To assume : q.v.

ENGROSSER : I. A copyist : स्पष्टाक्षरलेखकः. II. A fore-staller : (1) परिक्रयिन् (f. णी) (?); (2) पूर्वक्रेतु (f. त्री) (?).

ENGULF : (1) ग्रसते (ग्रस्, c. 1.) (=to swallow) ; (2) ग्रावयति (c. of घृ) (=to drown).

ENHANCE : वर्द्धयति (c. of वृध्) : v. To increase.

ENHANCEMENT : v. Increase.

ENHARMONIC : एकतानिकः (की, कं) (?).

ENIGMA : प्रहेलिका : v. Riddle.

ENIGMATIC, -AL : वक्रः (का, कं) : v. Obscure, ambiguous.

ENIGMATICALLY : वक्रम् : v. Ambiguously.

ENJOIN : I. To order : q.v. : शास्ति (शास्, c. 2.). II. To prohibit or restrain : q.v. : निषेधति (सिध्, c. 1.).

ENJOY : I. Lit. : (1) भुनक्ति or भुंक्ते, उप-, परि-, अनु-, अधि-, (भुज्, c. 7.), *e. my milk* : पयो मदीयमुपभुंक्ष्व, R. ; *e.s the kingdom of heaven* : भुनक्ति स्वराज्यम्, N ; (2) अनुभवति (भू, c. 1.) (prop. to feel), *e. ing all pleasures* : सर्वसुखान्यनुभवन्तः, K. ; (3) निर्विशति (विश्, c. 6.), *e. the beauties of youth* : यौवनश्रीनिर्विशयताम्, R. II. Carnally : भुनक्ति, उप-, P.

ENJOYMENT : भोगः, उप-, सं-, परि-, *the desire of e. is over* : निवृत्ता भोगेच्छा, J. ; *what an e. in those places* : स सम्भोगो यस्तादृशेषु प्रदेशेषु, V.

ENKINDLE : संधुक्षयति (धुच्, c. 10.) : v. Kindle.